शैक्षणिक क्रियाकलाप
Academic Activities

सीसीई पर क्षमता संवर्धन कार्यक्रम

कक्षाओं में शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया की प्रभावकारिता और उसकी गुणवत्ता में वृद्धि करने तथा सीसीई स्कीम को और अधिक मजबूत बनाने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम, प्रशिक्षण और परामर्श महत्वपूर्ण है।

रचनात्मक मूल्यांकन

रचनात्मक मूल्यों के प्रति शिक्षकों को प्रभावशाली रूप से उन्मुख करने के लिए सीबीएसई ने विभिन्न विषयों में 16 रचनात्मक मूल्यांकन संदर्शिकाएं तैयार की जो संदर्शिकाएं पाठ्यचर्या–विशिश्ट हैं तथा कक्षा IX और X के विभिन्न विषयों में शिक्षकों और परीक्षार्थियों की आवश्यकता की पूर्ति करती हैं।

समूचे भारत में संचालित किए गए 117 कार्यक्रमों के अंतर्गत लगभग 22197 प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया (विवरण परिशिष्ट XI पर)।

Capacity Building Programmes on CCE

The Capacity Building Programmes, training and advocacy are crucial in enhancing the effectiveness and quality of the teaching-learning process in the classrooms and further strengthening the CCE Scheme.

Formative Assessment

To effectively orient teachers in Formative Assessment the Board prepared 16 Formative Assessment Manuals in different subjects. These Manuals are curriculum-specific, addressing the needs of teachers and learners in different subjects of classes IX and X.

Approximately 22197 Principals and teachers were trained under 117 programmes conducted country wide (details at Annexure XI).

प्रधान प्रशिक्षकों की कार्यशाला

76 प्रधान प्रशिक्षकों ने सीबीएसई की शैक्षणिक इकाई में आयोजित दो–दिवसीय कार्यशाला के दौरान सीसीई की गत्यामकता के संबंध में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सीबीएसई द्वारा अनुमोदित एजेंसियों द्वारा सीसीई का क्रियान्वयन

सीबीएसई ने सीसीई के विविध पहलुओं, प्रभावशाली विद्यालयी प्रबंधन और नेतृत्व पर संबद्ध विद्यालयों के शिक्षकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एजेंसियों का चयन किया है।

पूर्ण विवरण के साथ इन एजेंसियों की सूची सीबीएसई की वेबसाइट पर रखी गई है ताकि विद्यालय अपनी आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए इन एजेंसियों के साथ संपर्क कर सकें।

Master Trainers Workshop

76 Master Trainers received training in the dynamics of CCE during a two days workshop held at the academic unit at CBSE.

Implementation of CCE by agencies approved by CBSE

CBSE has selected agencies to conduct the Training Programmes for the teachers of affiliated schools on the various aspects of CCE,effective school management and leadership.

A list of these agencies with details has been put up on the CBSE website so that schools can approach the agencies for participating in the training programmes as per requirement.

क्रमांक S. No.	कार्यक्रम का नाम Name of the Programme	एजेंसियों की संख्या No. of Agencies
1.	सीसीई पर एक–दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम One day capacity building programme on CCE	10
2.	सीसीई पर दो–दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम Two day capacity building programme on CCE	07
3.	जीवन कौशलों, अभिवृत्ति मूल्यों, स्वास्थ्य कुशलता शिक्षा पर एक–दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम One day capacity building programme on life skills, attitude values, health well being education	07
4.	कथन और श्रवण कौशलों के संवर्धन पर एक–दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम One day capacity building programme on enhancing, speaking & listening skills	01
5.	नेतृत्व कौशल शिक्षा पर एक–दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम One day capacity building programme on leadership skills education	02
6.	एक–दिवसीय पठन कार्यशाला One day reading workshop	01

7.	शारीरिक शिक्षा पर एक–दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम One day capacity building programme on physical education	01
8.	गणित पर एक–दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम One day capacity building programme on Maths	01
9.	पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर एक–दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम One day capacity building training programme on environmental related issues ,	01
10.	प्रभावी विद्यालय प्रबंधन और नेतृत्व पर पांच–दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम Five day residential training programme on effective school management and leadership	22
11.	प्रभावी विद्यालय प्रबंधन और नेतृत्व पर पांच–दिवसीय गैर–आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम Five day non-residential training on effective school management and leadership	05

सीबीएसई विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए परामर्श कार्यशालाएं

सीसीई योजना का समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड समूचे देश और विदेशों में स्वैच्छिक प्रधानाचार्यों को परामर्शकों के रूप में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विभिन्न अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

परामर्श और निगरानी से संबंधित कार्य को सुप्रवाही बनाने तथा परामर्श प्रक्रिया को पारदर्शी, प्रयोक्ता–हितैशी तथा अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए बोर्ड ने बोर्ड की शैक्षणिक बेबसाइट (www.cbseacademic.in) के अंतर्गत एक लघु–साइट तैयार की गई।

Mentoring Workshops for Principals of CBSE Schools

To ensure proper implementation of CCE scheme, the Board has been conducting various orientation programmes for training the volunteer Principals as Mentors throughout the country and overseas.

To streamline the work related to Mentoring and Monitoring and to make the Mentoring process transparent, user friendly and more effective, the Board has developed a microsite within the academic website (www.cbseacademic.in) of the Board.

शैक्षणिक सत्र 2012–13 के दौरान संचालित किए गए परामर्श कार्यक्रमः
Mentoring Programme conducted during academic session 2012-13

क्रमांक S. No.	स्थान Venue	माह / तारीख / वर्ष mm/dd/yy.	क्षेत्र Region	प्रशिक्षित / पुनः प्रशिक्षित परामर्शक Mentors trained/ retrained
1.	दि टाइटन स्कूल, होसूर, तमिलनाडु The Titan School Hosur,Tamilnadu	4 / 17 / 2012	चेन्नई Chennai	47
2.	मॉडर्न स्कूल, कोराडी रोड, नागपुर Modern School Koradi Road,	4 / 30 / 2012	चेन्नई Chennai	41
3.	अल–अमीन पब्लिक स्कूल एडापल्ली, कोच्चि, केरल Al-Ameen Public School Edappally, Kochi, Kerala	6 / 22 / 2012	चेन्नई Chennai	106
4.	दिल्ली पब्लिक स्कूल, बडगाम, जम्मू–कष्मीर Delhi Public School, Budgam, J&K	7 / 24 / 2012	पंचकुला Panchkula	6
5.	नवदीप पब्लिक स्कूल, कोल्लम Navdeep Public School, Kollam	8 / 3 / 2012	चेन्नई Chennai	37
6.	बी.बी.यू.एल. जैन विद्यालय, बेंगलुरू,कर्नाटक B.B.U.L. Jain Vidyalaya, Bengaluru, Karnataka	9 / 2 / 2012	चेन्नई Chennai	39
7.	दिल्ली पब्लिक स्कूल, वाराणसी, उत्तर प्रदेश Delhi Public School, Varanasi-U.P.	9 / 8 / 2012	इलाहाबाद Allahabad	49
8.	क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी Regional Office, Guwahati	10 / 11 / 2012	गुवाहाटी Guwahati	29
9.	दि इंडियन हाई स्कूल, दुबई The Indian High School,Dubai	1 / 16 / 2013	दिल्ली Delhi	38
10.	चिन्मया विद्यालय, कन्नूर, केरल ChinmayaVidyalaya, Kannur, Kerala	2 / 9 / 2013	चेन्नई Chennai	60
11.	ग्रीन लैण्ड सीनियर सेकेण्डरी पब्लिक स्कूल, लुधियाना Green Land Sr. Sec. Pub. School, Ludhiana	17 / 02 / 2013	पंचकुला Panchkula	73
12.	सतलुज पब्लिक स्कूल, पंचकुला Satluj Public School, Panchkula	3 / 3 / 2013	पंचकुला Panchkula	53
13.	सेलाक्वी इंटरनेशनल स्कूल, देहरादून Selaqui International School, Dehradun	3 / 9 / 2013	इलाहाबाद Allahabad	49
			कुल Total	578

सीसीई की सलाहकार समिति

इस कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बोर्ड द्वारा एक सलाहाकार समिति का गठन किया गया । सीबीएसई ने 2013 में एक प्रशिक्षण कैलेंडर तैयार किया जिसमें अन्य बातों के साथ शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या में वृद्धि को भी शामिल किया गया। सीसीई प्रचार के लिए बोर्ड द्वारा एक मीडिया एजेंसी को नियुक्त किया गया। इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया द्वारा अब तक 150 कवरेज़ की गई है।

अधिष्ठापन कार्यक्रम

2012–13 के दौरान संबद्ध हुए नए विद्यालयों के 50 प्रधानाचार्यों के लिए चार अधिष्ठापन कार्यक्रम आयोजित किए गए। सीबीएसई प्रणाली के बारे में जानकारी के साथ इन कार्यक्रमों में प्रधानाचार्यों को सीबीएसई द्वारा आरंभ किए गए सुधारों की एक स्पष्ट समझ भी प्राप्त हुई।

प्रधानाचार्यों के लिए अधिकारिता कार्यक्रम

सीबीएसई द्वारा संबद्ध विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए विभिन्न आईआईएम, एमडीआई गुड़गांव, आईआईएफटी, एनयूईपीए और ईटीएमए के सहयोग से वर्ष के दौरान नियमित रूप से कार्यनीति नेतृत्व कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

एनयूईपीए के सहयोग से प्राइवेट विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए 'शैक्षणिक प्रशासन के नेतृत्व' विषय पर 14वां प्रबंध विकास कार्यक्रम 8–12 अक्तूबर 2012 तक आयोजित किया गया तथा 44 प्रधानाचार्यों ने इसमें प्रशिक्षण प्राप्त किया। 18 चयनित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए ऐसी ही एक 5–दिवसीय कार्यशाला एफडीआरसी, नई दिल्ली में 29 अक्तूबर से 2 नवम्बर 2012 तक आयोजित की गई।

वैकल्पिक व्यावसायिक विषय–क्षेत्र भू–स्थानिक पर शिक्षकों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम

सीबीएसई द्वारा अग्रणी भू–स्थानिक सोल्यूशन कंपनी 'रोल्टा इंडिया लिमिटेड' के सहयोग से कक्षा XI-XII के लिए जुलाई 2010 में प्रायोगिक आधार पर भू–स्थानिक प्रौद्योगिकी पर एक नया सक्षमता–आधारित कैरियर–उन्मुखी पाठ्यक्रम आरंभ किया गया।

बोर्ड द्वारा कक्षा XI-XII के लिए पाठ्यचर्या और विषय–वस्तु रोल्टा इंडिया लिमिटेड के सहयोग से

Advisory Committee on CCE

The Board has set up an advisory committee for effective implementation of the program. As per the recommendations, a training calendar for 2013 with increased number of teacher training programs has been finalized. The Board has also appointed a media agency for CCE advocacy. 150 coverages have so far been done in electronic and print media.

Induction Programmes

Four Induction Programmes addressing 50 Principals of newly affiliated schools were conducted during 2012-13. Besides creating awareness about the CBSE system, these programmes also helped the Principals get a clear understanding of the reforms introduced by CBSE.

Empowerment Programmes for Principals

Strategic Leadership Programmes for the Principals of schools affiliated to CBSE were conducted regularly during the year by CBSE in collaboration with various IIMs, MDI Gurgaon, IIFT, NUEPA and ETMA.

14th Management Development Programme on `Leadership in Educational Administration' for Principals of Private Independent Schools was scheduled from 8-12 October 2012 and 44 Principals underwent training with collaboration with NUEPA. A similar 5 day workshop for 18 selected School Principals from 29 October-2 November 2012 was scheduled at FDRC, New Delhi.

Orientation Programmes for teachers on Geospatial an Elective under Vocational stream

A new competency based career oriented course on Geospatial Technology has been introduced by CBSE in collaboration with leading Geospatial Solutions Company "ROLTA India Limited" on pilot basis in July 2010 for classes XI-XII.

The curriculum and the content for classes XI and XII have been developed by the Board in

विकसित की गई ।

इस विषय पर विद्यालयों के लिए तीन सुग्राही कार्यक्रम आयोजित किए गए। बोर्ड ने दो शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए।

विद्यालयों में नैतिक शिक्षा का एकीकरण

सभी कक्षाओं में प्रमुख विषयों में नैतिक शिक्षा के एकीकरण को लागू करने के उद्देश्य से सीबीएसई ने विद्यालयों के लिए एनसीईआरटी द्वारा तैयार किए गए 'विद्यालयों में नैतिकता के लिए शिक्षा' ढांचे पर आधारित 'नैतिक शिक्षा किट' तैयार की है। 'नैतिक शिक्षा किट' तैयार करने का उद्देश्य नैतिक शिक्षा को प्रत्येक कक्षा में पाठ्यचर्या के साथ एकीकृत करना तथा उपयुक्त आयु–स्तर पर विशिष्ट क्रियाकलापों को उसमें समाहित करना है। यह नैतिक शिक्षा प्रदान करने के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य करेगा तथा साथ ही यह इसका प्रयोग करने वाले अथवा इसे अपनाने के इच्छुक विद्यालयों के लिए विविधता भी लाएगा।

नैतिक शिक्षा किट' में

- शिक्षकों के लिए संदर्शिका,
- नर्सरी से लेकर कक्षा XII तक के छात्रों के लिए वैल्यू कार्ड, और
- समसामयिक सामाजिक मुद्दों और चिंताओं को दर्शाने वाले गीतों के संकलन वाली एक सीडी शामिल हैं।

नैतिक शिक्षा में प्रधान प्रशिक्षक

प्रधानाचार्यों को प्रधान प्रशिक्षकों के रूप में नैतिक शिक्षा में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक अभिविन्यास

collaboration of ROLTA India Limited.

Three awareness programmes were conducted to sensitize school regarding the course. The Board also conducted two teacher training programmes.

Integration of Values Education in Schools

In order to promote integration of Value Education across major subjects in all the classes.CBSE has prepared a `Values Education Kit' for schools based on the framework of `Education for Values in Schools' brought out by the NCERT. The premise behind the 'Values Education Kit' is to integrate Values Education with the syllabus in each class and include specific activities at an age appropriate level. It will serve as a model for providing Values Education, while at the same time allowing for variations schools may adopt.

The `Values Education Kit' comprises of:

- A Handbook for Teachers,
- Values Card for students from Nursery to Class XII and
- A CD of compilation of songs highlighting contemporary social issues and concerns.

Master Trainers in Value Education

An orientation workshop to train Principals as Master Trainers in Values Education was held

कार्यशाला 20 दिसम्बर 2012 को आयोजित की गई। पहली विशेषज्ञ प्रशिक्षक कार्यशाला 10 जनवरी 2013 को आयोजित की गई। इसके लिए साढ़े चार घंटे का एक मॉड्यूल तैयार किया गया जिसमें संबंधित विद्यालयों के 15 प्रधानाचार्यों और 5 शिक्षकों को मर्यादक और प्रधान प्रशिक्षक बनने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके पश्चात उन्होंने स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती समारोह के अंर्तगत समूचे देश के सभी क्षेत्रों से 200 शिक्षकों और 200 छात्रों को प्रशिक्षित किया।

on 20th December 2012 followed by Master Trainer workshop on 10th January 2013. A four and a half hour module was prepared where 15 Principals and 5 teachers from their respective schools were trained to be moderators and Master Trainers. They in turn trained 200, teachers and 200 students across the country from all regions as part of the celebration of the 150th Birth Anniversary of Swami Vivekananda.

विवेकानंद उत्कृष्ट विद्यालय

स्वामी विवेकानंद की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के भाग के रूप में बोर्ड ने विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से नैतिक शिक्षा, स्वास्थ्य और शारीरिक स्वस्थता, स्वामी विवेकानंद के जीवन और दर्शन के एकीकरण का प्रचार–प्रसार करने के लिए सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए विद्यालयों के शिक्षकों और छात्रों के लिए पुरस्कारों की एक नई श्रेणी आरंभ की गई।

Vivekananda Schools of Excellence

As part of the programs planned to commemorate 150th birth anniversary of Swami Vivekananda, the board initiated a new category of awards for school teachers and students for actively participating in propagation of value education, health and physical fitness, integrating life and philosophy of Swami Vivekananda through various school activities.

नमूना प्रश्न–पत्रों की समाप्ति

बोर्ड ने वर्ष 2012–13 के सारांशात्मक मूल्यांकन–।। से कक्षा IX और X में सभी प्रमुख विषयों में बोर्ड द्वारा प्रकाशित ब्लू–प्रिंटों, नमूना प्रश्न–पत्रों और अंक

Discontinuation of Sample Question Papers

The Board has discontinued the Blue Prints, Sample Question Papers and Marking Schemes in all major subjects in classes IX and

प्रणाली को समाप्त कर दिया है क्योंकि इसके परिणामस्वरूप बोर्ड का बहु–प्रचारित मुक्त दृष्टिकोण, अभिव्यक्ति, शैली और विषय–वस्तु में विविधता बाधित हो रही थी।

X with effect from Summative Assessment-II of 2012-13 published by the Board as it precludes much advocated open ended approach and diversity in expression, style and content.

अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के लिए इकाईवार वेटेज के साथ परीक्षा की संरचनाएं तथा अनेक नमूने सीबीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए और बोर्ड से संबद्ध सभी विद्यालयों में परिचालित कराए गए ।

The structures of examination along with unit wise weightage for English, Hindi, Sanskrit, Mathematics, Science and Social Science together with pools of specimen items were made available on the websites of CBSE and circulated to all the schools affiliated to the board.

प्रमुख विषयों में मूल्य परक सवाल

Values Based Questions in Major Subjects

मूल्य शिक्षा की अवधारणा को और सशक्त बनाने के लिए 3–5 अंकों के मूल्य परक सवाल कक्षाओं IX-XII के सभी विषयों में योगात्मक आकलन स्तर पर पूछे गए जिनका विश्लेषण प्रतिबिंबित मूल्यों के आधार पर किया गया एवं विषय की सूची के साथ एकीकृत किया ।

To further strengthen the concept of Values Education, it was decided to assess students for 3-5 marks in each subject at the Summative Assessment level in classes IX - XII through Values
Based Questions which have been integrated with the content of the subject to be analyzed on the basis of the values they reflect.

आकलन के साक्ष्यों का सत्यापन

Verification of Evidence of Assessments

बोर्ड द्वारा सीसीई के अंतर्गत विद्यालय स्तर पर किए गए मूल्यांकन का नियमित रूप से यादृच्छिक संग्रहण और सत्यापन किया जाता है।

A random collection and verification of the assessment conducted at school level is regularly done by the board under CCE.

मूल्यांकनों का साक्ष्य (ईए)

Evidence of Assessments (EAs)

प्रदान किए गए अंको का सत्यापन क्षेत्रीय स्तर पर बोर्ड द्वारा नियुक्त किए गए और पैनल पर रखे गए विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। इसका उद्देश्य विद्यालय आधारित मूल्यांकन प्रक्रियाओं का मूल्यांकन करना है। विशेषज्ञ प्रदान किए गए अंकों के संबंध में 'मूल्यांकनों के साक्ष्य (ईए)' पर रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं।

The marks awarded are verified by the subject experts/ moderators appointed and empanelled by the Board at the Regional level. The objective is to assess the practices of School Based Assessment. The experts submit report on 'Evidence of Assessments (EAs)' vis-a-vis award of marks.

प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत चुने गए विद्यालय कक्षा IX और X के लिए पांच विषयों : हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामाजिक–विज्ञान तथा सह–शिक्षण मूल्यांकन में एफए–I, एफए–II और

The shortlisted schools under each Regional Office send the Evidences of Assessments (EAs)' for FA-1, FA-2 & SA-I, of Classes IX & Xin five subjects: Hindi, English, Mathematics, Science and Social Science and co-scholastic

एसए–। के लिए मूल्यांकन के साक्ष्य (ईए) प्रेशित करते हैं। ईए में तीन श्रेणियों जैसे उपलब्धियों के शीर्ष, मध्यम और निम्न स्तरों से लिए गए पांच छात्रों का प्रदर्शन शामिल होता है।

बोर्ड ने पहली बार विभिन्न शहरों में क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकार क्षेत्रों के अंतर्गत प्रधानाचार्यों को समन्वयकों के रूप में नियुक्त करने की प्रक्रिया को विकेन्द्रीकृत किया गया।

पहली बार, विद्यालयों की एक विकेन्द्रीकृत सूची तैयार की गई जिसमें 25 प्रतिशत से अधिक छात्रों के सभी विषयों में ए1 ग्रेड थे। इन विद्यालयों के लिए सभी विषयों तथा सह–शैक्षणिक क्षेत्रों में साक्ष्य संग्रहित किए गए थे। इनका विश्लेषण अनुभवी प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों (टीजीटी) द्वारा किया गया, जो सीसीए में भी प्रशिक्षित थे और मूल्यांकन के उपकरणों का प्रयोग करने के विशेषज्ञ थे।

कक्षा IX और XI के लिए समस्या समाधान मूल्यांकन

छात्रों के महत्वपूर्ण कौशलों के विकास में समास्या समाधान परीक्षा की प्रासंगिकता को देखते हुए कक्षा IX और XI की परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों के लिए शैक्षणिक वर्ष 2012–13 से समस्या समाधान परीक्षा को अनिवार्य बनाया गया।

कथन और श्रवण कौशलों का मूल्यांकन (एएसएल)

ट्रिनिटी कॉलेज लंदन तथा बोर्ड ने अंग्रेजी में श्रवण और कथन कौशलों पर एक प्रायोगिक विशेषज्ञ प्रशिक्षक पाठ्यक्रम आरंभ किया। इसके लिए दिल्ली, इलाहाबाद और पंचकुला क्षेत्र के सीबीएसई से संबद्ध 120 विद्यालयों की पहचान की गई।

माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों (कक्षा IX और X) पर अंग्रेजी में सारांशात्मक मूल्यांकनों में कथन और श्रवण कौशलों का औपचारिक परीक्षण शैक्षणिक सत्र 2012–13 से आरंभ किया गया। इसके लिए एसए–। और एसए–।। की कुल वेटेज में से 10 प्रतिशत वेटेज का प्रावधान किया गया है।

assessment. EAs comprise of the performance of five students taken from three categories such as top, middle and bottom levels of achievements.

For the first time, the Board decentralized the processby appointing Principals as Coordinators under the jurisdiction of regional offices in different cities.

For the first time, a centralized list of schools in which more than 25% students had A1 Grade in all subjectswas generated. The evidences in all subjects and co-scholastic areas were collected for these schools. These were analyzed by experienced Trained Graduate Teachers trained inCCE and oriented towards using the tools of assessment.

Problem Solving Assessment for Classes IX and XI

Problem Solving Test has been made compulsory for students appearing for classes IX & XI from the academic year 2012- 2013 onwards due to its relevance in the development of important skills in students.

Assessment of Speaking and Listening Skills (ASL)

The Trinity College London and the Board launched a pilot MasterTrainer's course in Listening and Speaking Skills in English. 120 schools affiliated to CBSE were identified under Delhi, Allahabad and Panchkula Regions.

The formal testing of Speaking and Listening skills in the Summative Assessments in English at Secondary and Senior Secondary levels (Classes IX and XI) was introduced from the academic session 2012-13. 10% weightage has been provisioned in the total weightage of SAI and SA II.

विद्यालयों के लिए कक्षा IX और XI हेतु कथन और श्रवण के संबंध में दिशा–निर्देश और प्रत्येक कक्षा के लिए नमूना प्रश्न–पत्र वेबसाइट पर अपलोड किए गए, जिनमें महत्वपूर्ण जानकारियां जैसे एसए–। के लिए मूल्यांकन और अंक प्रदान करने हेतु मानदण्ड भी शामिल थे। कथन और श्रवण कौशलों का मूल्यांकन विद्यालयों द्वारा स्वयं ही किया गया।

Guidelines and two sample papers each for Speaking and Listening for classes IX and XI were uploaded on the website for schools which also included important information like the criteria for evaluation and marking and SA-I, the Assessment of Speaking and Listening skills to be carried out by schools themselves.

अंग्रेजी उपन्यासों की शुरुआत

कक्षा IX से लेकर कक्षा XII तक के छात्रों में पठन कौशलों का संवर्धन करने के लिए कक्षा IX और XI के लिए 2012–13 से उपन्यास आरंभ किए गए तथा ये 2013–14 में कक्षा X और XII के लिए भी जारी रहेंगे।

विद्यालयों के पास सुझाए गए दो उपन्यासों में से किसी एक उपन्यास को चुनने का विकल्प है। कक्षा IX और X के लिए 10 अंकों का तथा कक्षा XI और XII के लिए 12 अंकों का वेटेज प्रदान किया गया है।

Introduction of English Novels

To enhance Reading Skills among students from Classes IX to XII, Novels have been introduced from 2012-13 for classes IX and XI to be continued in classes X & XII in 2013-14.

The Schools have an option to choose one novel out of the two suggested novels. A weightage of 10 marks has been provided for classes IX and X and 12 marks for classes XI and XII.

कक्षा IX से नए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत

राष्ट्रीय व्यावसायिक शैक्षणिक अर्हता फ्रेमवर्क (एनवीईक्यूएफ) के अंतर्गत खुदरा, आईटी, सुरक्षा और ऑटोमोबाइल पर व्यावसायिक पाठ्यक्रम एक अतिरिक्त विषय के रूप में 2012–13 सत्र से कक्षा IX से लगभग 25 विद्यालयों में आरंभ किए गए। इन पाठ्यक्रमों को अनिवार्य पत्रों के रूप में लेने का प्रावधान रखा गया है जिनमें शैक्षणिक विषय–वस्तु को कम करके 200 घंटे किया जाएगा।

Introduction of New Vocational courses from class IX onwards

Vocational courses on, Retail, IT, Security and Automobile under National **Vocational Educational Qualification Framework (NVEQF)** have been introduced in approximately 25 schools from class IX onwards from the session 2012-13 as an additional subject. Provision has been kept to take these courses as compulsory papers wherein existing academic content would be reduced by 200 hrs.

केन्द्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईटी) पश्चिम ऑस्ट्रेलिया द्वारा इन चार विषयों में पाठ्यचर्या और विषय–वस्तु तैयार की गई है तथा इन्हें प्रचालन में लाने के लिए कार्रवाई की जा रही है। इन कार्यक्रमों को प्रायोगिक आधार पर शैक्षणिक सत्र 2013–14 से सीबीएसई से संबद्ध लगभग 40 विद्यालयों में आरंभ

Curriculum and content in these four subjects has been prepared by Central Institute of Technology (CIT)Western Australia and are under the process of customization. These courses will be offered in approximately 40 CBSE affiliated school on pilot basis from the

किया जाएगा। सीआईटी तीन सप्ताह के लिए इन विद्यालयों से 10 प्रधान प्रशिक्षकों को भी प्रशिक्षित करेगा।

पठन सामग्री का विकास

चित्रकला में प्रयोग कक्षाओं के लिए दिशा–निर्देशों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी क्योंकि शिक्षकों के लिए पाठ्य–सामग्री उपलब्ध नहीं थी। पाठों के साथ 45 टैम्पलेट सीबीएसई की वेबसाइट पर अपलोड किए गए, ताकि छात्र इन्हें डाउनलोड कर सकें और अपनी तैयारी के लिए इनका उपयोग कर सकें। माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के लिए कार्य शिक्षा, आईसीटी, गृह–विज्ञान, कृषि, दृश्य और प्रदर्शन कलाओं में पाठ्य–सामग्री भी तैयार की जा रही है।

चीनी भाषा की शुरुआत

सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों में कक्षा VI में एक वैकल्पिक विदेशी भाषा के रूप में मैंडेरियन के शिक्षण को सहायता प्रदान करने के लिए ज्ञापनपत्र पर भारतीय राजदूत तथा महानिदेशक हैनबेन द्वारा हस्ताक्षर किए गए जो विदेशों में मैंडेरियन का शिक्षण प्रदान करने वाला चीन का अधिकारिक संगठन है।

ज्ञापनपत्र में कार्मिकों, शिक्षकों, प्रशिक्षकों, विशेशज्ञों और छात्रों के आदान–प्रदान की परिकल्पना की गई है। इसमें पाठ्यचर्या के विकास तथा शैक्षणिक सामग्री और सहायक प्रणालियों के विकास का प्रावधान भी है। इस प्रयोजनार्थ चीनी भाषा पर एक संयुक्त कार्यकारी समूह भी गठित किया गया तथा इसकी बैठक जनवरी 2013 में आयोजित की गई ।

प्रकाशन

- नैतिक शिक्षा किटः 'नैतिक शिक्षा – शिक्षकों के लिए संदर्शिका', नर्सरी से लेकर बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए वैल्यू काड्र्स तथा शांति, सौहार्द और प्रकृति के प्रति सम्मान पर गीतों वाली एक सीडी तैयार की गयी।

academic session 2013-2014. CIT will also train 10 Master Trainers from the schools for three weeks.

Reading Material Development

The requirement of guidelines for Practical classes in Painting was felt as there was no textual material available for the students and the teachers. 45 templates along with the text were uploaded on CBSE website so that students can download them and can use them for preparation. The textual material in Work Education, ICT, Home Science, Agriculture, Visual and Performing Arts for Secondary and Senior Secondary are also being developed.

Introduction of Chinese language

A Memorandum of Understanding to support the teaching of Mandarin as an optional foreign language in class VI in the schools affiliated to CBSE was signed by Indian Ambassador and Director General of Hanban, the official Chinese organization that oversees teaching of Mandarin abroad.

The MoU envisages the exchanges of academic staff, teachers, trainees, experts and students. It also provides for development of curricula and exchange of educational material and support systems.A Joint Working Group on Chinese has been constituted for this purpose and met in January 2013.

Publications

- **Values Education Kit** consisting of `A Handbook for Teachers', Values Cards for students from class Nursery - XII and a CD with songs on peace, harmony and respect for nature was prepared.

- कक्षा VI, VII और VIII के लिए जीवन कौशलों पर शिक्षक संदर्शिका का विमोचन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा 19 अप्रैल 2012 को किया गया।

- कक्षा XII के लिए जैव–प्रौद्योगिकीप्रैक्टिकल मैनुअल को तैयार किया गया इस मैनुअल को नवीनतम पाठ्यचर्या के अनुसार तैयार किया गया तथा वितरण के लिए उपलब्ध कराया गया।

- 'विद्यालय–आधारित मूल्यांकन के परामर्श के लिए उपकरणों का संशोधित सार–संग्रह इस शैक्षणिक सत्र में संशोधित किया गया। यह प्रशिक्षण और क्रियान्वयन के परामर्श तथा अनुश्रवण एक निःशुल्क प्रकाशन है।

- Teachers' Manuals on Life Skills for classes VI, VII and VIII was launched on 19th April 2012 by the Honorable Union Minister of HRD.

- **Bio Technology Practical Manual for class XII** was prepared as per latest syllabus and is already available at CBSE stores.

- **Revised Compendium of Tools for Mentoring of School Based Evaluation** an un-priced publication required for Mentoring and Monitoring training and implementation was prepared during this period.

सीबीएसई इंटरनेशनल

वर्ष 2010 में शुरू की गई सीबीएसई इंटरनेशनल पाठ्यचर्या कक्षा I, II, VI, IX और X के लिए मध्य एशिया और दक्षिण एशिया के 24 विद्यालयों में आरंभ की गई। सत्र 2012–13 से इसका विस्तार कक्षा III, VII और XI तक कर दिया गया।

पाठ्यचर्या दस्तावेज में संशोधन किया गया तथा इसे 2012–13 सत्र के लिए अपलोड किया गया।

शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशालाएं आबूधाबी और सिंगापुर में आयोजित की गईं। बोर्ड ने विद्यालयों को उत्कृष्टता के केन्द्रों के रूप में स्थापित किया है। गुणवत्ता को प्रोत्साहित करने के लिए सीबीएसई.प पोर्टल पर शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों से संपर्क स्थापित करने के लिए समन्वयकों को नियुक्त किया गया है।

शिक्षक संदर्शिका को तैयार करने के साथ ही सभी विद्यालयों के साथ साप्ताहिक ऑडियो कांफ्रेंसों का आयोजन किया गया। भौतिकी, रसायन–विज्ञान, गणित I और II, अंग्रेजी, भूगोल, अर्थशास्त्र, लेखाशास्त्र,

CBSE International

Introduced in the year 2010, CBSE international curriculum was introduced in 24 schools in Middle East and South Asia in classes I, II, VI,IX and X. For the session 2012-13, this was extended for classes III, VII and XI.

The curriculum document was revised and uploaded for the session 2012-13.

Capacity building workshops for teachers were conducted in Abu Dhabi and Singapore. The Board has set up schools as hub of excellence. In order to promotequality, coordinators have been appointed to interact with teachers, parents and students on CBSE-I portal.

While a teacher's manual is being prepared, weekly audio conferences were held with all the schools. CBSE-I Hindi curriculum has also been developed along with physics, chemistry, mathematics I and II, English, Geography,

व्यापार अध्ययन, और जीव–विज्ञान के साथ–साथ सीबीएसई–आई हिंदी पाठ्यचर्या भी तैयार की गई।

निष्पादन मूल्यांकन परीक्षण (पीएटी)

सीबीएसई-i निष्पादन मूल्यांकन परीक्षण भी प्रत्येक वर्ष अप्रैल माह में ऑनलाइन संचालित किया जा रहा है। इसके अलावा, सीबीएसई.प के लिए वीडियो कांफ्रेंसिंग भी आरंभ हो गई।

सीबीएसई-i पाठ्यचर्या भारतीय विद्यालयों में भी

भारत के लगभग 200 विद्यालयों ने पाठ्यचर्या.प के लिए आवेदन किया है। गहन संवीक्षा और निरीक्षण के पश्चात अप्रैल 2013 से पाठ्यचर्या.प क्रियान्वित करने के लिए विद्यालयों का चयन किया है।

Economics, Accountancy, Business Studies and Biology.

Performance Assessment Test (PAT)

CBSE-i Performance Assessment Test is also being conducted online in the month of April every year. In addition, Video conferencing for CBSE-I has also begun.

CBSE-i curriculum extended to Indian Schools

Around 200 schools in India have applied for curriculum-i. After thorough scrutiny and inspection, schools have been shortlisted for implementing curriculum-I from April 2013.

संवर्धन क्रियाकलाप
Enrichment Activities

सहोदय विद्यालय परिसरों का 19वां वार्षिक सम्मेलन

'देखरेख और आदान–प्रदान' की भावना से ओत–प्रोत सहोदय विद्यालय परिसर आस–पड़ोस के विद्यालयों से मिलकर बने समूह है जो पाठ्यचर्या विकास, मूल्यांकन, विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न पहलुओं में श्रेष्ठ प्रक्रियाओं और अभिनव कार्यशैली का आदान–प्रदान करने तथा नियमित रूप से संचालित क्षमता निर्माण द्वारा शिक्षकों को सहायता प्रदान करने के लिए स्वेच्छा से एक–दूसरे के साथ जुड़े हैं।

वर्तमान में, समूचे देश में 4500 से भी अधिक विद्यालयों के नेटवर्क के साथ लगभग 250 सहोदय विद्यालय समूह सक्रिय हैं । सहोदय सदस्यों को एक मंच पर साथ लाने के उद्देश्य से बोर्ड प्रत्येक वर्ष नवीनतम शैक्षणिक प्रासंगिक विषयों पर राष्ट्रीय सहोदय विद्यालय परिसरों के राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन का आयोजन करता है।

वर्ष 2012 के लिए राष्ट्रीय सहोदय विद्यालय परिसरों का राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन 'शिक्षण और अधिगम के लिए नई शिक्षा–नीतियां और समर्थकारी प्रौद्योगिकियां' विषय पर 22–24 दिसम्बर 2012 तक इंदौर में आयोजित किया गया । इस सम्मेलन में लगभग 470 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा निम्नलिखित विषयों पर चर्चा की :

- शिक्षकों की प्रभावकारिता
- शिक्षा की गुणवत्ता और आर्थिक विकास

19th Annual National Conference of Sahodaya School Complexes

Imbued with the spirit of 'caring & sharing' , the Sahodaya School Complex is a group of neighbourhood schools which voluntarily come together to share best practices and innovative strategies in various aspects of school education including curriculum design, evaluation, pedagogy and providing support to teachers by regular capacity building exercises.

Currently there are about 250 active Sahodaya School Clusters across the country with a network of over 4500 schools. In order to bring Sahodaya members on a common platform the Board conducts National Annual Conference of Sahodaya School Complexes every year on themes of current educational relevance.

The National Annual Conference of Sahodaya School Complexes for the year 2012 was conducted at Indore from 22-24 December 2012 on "New pedagogies and enabling technologies for teaching and learning".Nearly 470 delegates participated in this conference and discussed-

- Teacher effectiveness
- Education quality and economic growth

:

- इक्कीसवीं शताब्दी की शिक्षा
- शिक्षा 3.0
- रूपांतरणकारी शिक्षा–नीतियां
- शिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का उन्नयन
- Twenty first century learning
- Education 3.0
- Transformational pedagogies
- Leveraging technology for learning

आकलन, मूल्यांकन और अनुसंधान केन्द्र (सीएईआर)

सीबीएसई और विश्व के अग्रणी शिक्षा सेवा उद्यम पीयरसन फाउंडेशन, जो पीयरसन की लोकोपकारी शाखा है, ने 9 अगस्त 2012 को भागीदारी की घोषणा की जिसके तहत भारत में विद्यालय शिक्षा का पुनर्गठन करने में सहायता प्रदान करने के लिए आकलन, मूल्यांकन और अनुसंधान केन्द्र (सीएईआर) की स्थापना की गई।

Center for Assessment, Evaluation and Research (CAER)

CBSE and Pearson Foundation, the philanthropic arm of Pearson, the world's largest education services enterprise formed a partnership designed to help reshape school education in India by setting up the Center for Assessment, Evaluation and Research (CAER) on 09th August 2012.

सीएईआर उत्कृष्टता का अलाभकारी केन्द्र है जिसे दोनों संगठनों द्वारा शिक्षा में सुधार लाने के प्रति योगदान देने के लिए संयुक्त रूप से संचालित किया जाएगा। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क 2005 तथा सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (सीसीई) के दिशा–निर्देश केन्द्र द्वारा संचालित किए जाने वाले अनुसंधान कार्य का आधार होंगे ।

अंतर्राष्ट्रीय जीवन कौशल, विद्यालय स्वास्थ्य और कुशलता शिखर–सम्मेलन

सीबीएसई द्वारा 19–21 अप्रैल 2012 के दौरान नईदिल्ली में पहले अंतर्राष्ट्रीय जीवन कौशल, विद्यालय स्वास्थ्य और कुशलता शिखर–सम्मेलन का आयोजन किया गया। वैश्विक स्वास्थ्य प्रदर्शनी, सांस्कृति कार्यक्रम, युवा स्वास्थ्य संसद तथा शिक्षक अधिकारिता कार्यक्रम इस शिखर–सम्मेलन की मुख्य विशेषताएं थीं ।

इस शिखर–सम्मेलन में 200 विद्यालयों के 1400 छात्रों तथा 400 शिक्षकों, विशेषज्ञों और परामर्शदाताओं ने भाग लिया।

सीबीएसई विज्ञान प्रदर्शनी

सीबीएसई विज्ञान प्रदर्शनी–2012 **विज्ञान, समाज और पर्यावरण** विषय पर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तरों पर आयोजित की गई। क्षेत्रीय स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन 12 विभिन्न स्थानों पर अगस्त/सितम्बर 2012 माह के दौरान किया गया जिसमें रिकार्ड 1180 छात्रों ने भाग लिया।

The CAER is a not for profit centre of excellence jointly run by the two organizations uniquely positioned to contribute to the reform of learning. TheNational Curriculum Framework 2005 and the Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) guidelines shall be the foundation for the research to be undertaken by the Centre.

International Life Skills, School Health and Wellbeing Summit

CBSE held the first International Life Skills, School Health and Wellbeing Summit, between 19- 21 April 2012 in New Delhi. The highlights of the Summit were Global Health Exhibition, Cultural Programmes, Youth Health Parliament and Teacher Empowerment Programmes.

The summit witnessed the participation of 200 schools with 1,400 students and 400 teachers, experts and counselors

CBSE Science Exhibition

The CBSE Science Exhibition-2012 was organized at Regional and National Levels on the theme of **Science, Society and Environment**. The Regional Level Science Exhibition was organized in the month of August/September 2012 at 12 different venues with a record participation of **1180** students.

सीबीएसई राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन **माननीय केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा0 एम.एम. पल्लम राजू** और **मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद द्वारा किया गया।** इस प्रदर्शनी में 166 विद्यालयों ने भाग लिया तथा राष्ट्रीय स्तर पर 24 प्रदेशों का चयन किया गया। प्रत्येक विजेता टीम को एक मेरिट प्रमाण–पत्र और 3000 रु0 का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

The CBSE National Science exhibition was inaugurated by **Honourable Union Minister of MHRD Dr. M.M PallamRaju and Honourable Minister of State, MHRD Sh.JitinPrasada.**166 schools participated in this event and a total of **24 exhibits** were selected at **National level.** Each winning team was given a merit certificate as well as a cash prize of `3000.

विरासत पोर्टल

विरासत पोर्टल (heritage.cbseacademic.in), जो सीबीएसई की वेबसाइट पर एक माइक्रोसाइट है, का उद्घाटन 29 अक्तूबर 2012 को श्रीमती अंशु वैश्य, पूर्व सचिव, विद्यालय शिक्षा और साक्षरता, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया गया। इस पहल के मुख्य उद्देश्य हैं:–

- एक गतिशील विषय का सृजन करना जो सामाजिक और प्राकृतिक विज्ञान के बीच एक संपर्क कार्यक्रम के रूप में उभर सके।
- सक्रिय शिक्षण और क्रियाकलापों के माध्यम से शिक्षकों और युवा बालकों के लिए एक परिपुष्ट ऑनलाइन सांस्कृतिक संसाधन उपलब्ध कराना।

The Heritage Portal

Heritage Portal (heritage.cbseacademic.in), a microsite on the CBSE website was launched on 29th October 2012. The main objectives behind this move are:-

- To create a multi-dimensional networkwhich can emerge as **a** link program between social and natural sciences.
- To provide a rich online cultural resource for teachers and young children through active learning and doing.

वर्तमान में, इस पोर्टल के चार परिक्षेत्र हैं – **निर्मित विरासत, प्राकृतिक विरासत, प्रदर्शन कलाएं तथा कला और शिल्प।**

इसकी विषय–वस्तु का अनुसंधान और विकास साहापीडिया (भारतीय संस्कृति और विरासत पर ऑनलाइन विश्वकोश) तथा डा0 नवीन जाफा विरासत परामर्शक और संयोजक, पाठ्यक्रम समिति, विरासत शिक्षा, सीबीएसई) के माध्यम से किया गया है। विरासत संबंधी विषयों पर विद्यालयी छात्रों से प्राप्त फिल्मों, फोटोग्राफों, चित्रों, संक्षिप्त लेखों को अपलोड किया गया है। इसे और अधिक आकर्शक तथा छात्रों के लिए अनुक्रियाशील बनाने के लिए प्रश्नोत्तरियां, खेल और वर्कशीटें तैयार की जा रही हैं तथा अपलोड की जा रही हैं।

The Portal as of now consists of four domains- **Built Heritage, Natural Heritage, Performing Arts and Arts and Crafts.**

The content has been researched and developed along with Sahapedia (An Online Encyclopedia on Indian Culture and Heritage) and Dr.NavinaJafa (Heritage Consultant and Convener, Course Committee, Heritage Education, CBSE). The portal contains films, photographs, paintings, write ups from school children on heritage related topics along with quizzes, games and worksheets to make it more attractive and interactive for the students.

भारत की ज्ञान परंपराएं और प्रथाएं

बोर्ड ने 16 विद्यालयों में प्रायोगिक आधार पर कक्षा XI में एक नए वैकल्पिक विषय के रूप में 'भारत की ज्ञान परंपराएं और प्रथाएं' को आरंभ किया है। इसमें 10 मॉड्यूल्स हैं जिनमें 12 इकाइयां हैं। सभी मॉड्यूलों को सीबीएसई शैक्षणिक वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

Knowledge Traditions and Practices of India

The Board has introduced "Knowledge Tradition and Practices of India" a new elective subject in class XI as a pilot in 16 schools. There are 10 modules consisting of 12 units. All the modules were uploaded on CBSE Academic website

ग्रीन ओलम्पियाड

सीबीएसई और टेरी (टीईआरआई) ने 'मैं और मेरा पर्यावरण' विषय पर 25 अगस्त और 29 सितम्बर को ग्रीन ओलम्पियाड और टेरी क्विज का आयोजन किया। यह क्विज कार्यक्रम कक्षा VIII से X तक के छात्रों के लिए था। शीर्ष 32 विद्यालयों, प्रत्येक अंचल से सात तथा अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से चार, को इस अंतर्राष्ट्रीय क्विज में भाग लेने के लिए चुना गया था। इसके लिए प्रश्नों को दैनिक जीवन से संबंधित स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय विषयों, से चुना गया था तथा आकर्षक दृश्य–श्रव्य माध्यमों ने इस क्विज को एक अनूठा आकर्षण प्रदान किया क्योंकि इसमें ज्ञान और प्रतिस्पर्धा का नैसर्गिक अवयव शामिल था।

Green Olympiad

CBSE and TERI conducted the Green Olympiad and TERRI Quiz on 25 August and 29 September 2012 on the theme **'Me and My Environment'**. The quiz was open to students of classes VIII-X. The top 32 schools, seven from each zone and four from the international group - were selected to take part in this national environment quiz. The questions were drawn from topics of daily concern, both local and global; attractive audiovisuals imparted a unique flavor to this quiz as it contained an inherent element of knowledge and competition.

समूह गणित ओलम्पियाड

सीबीएसई होमीभाभा विज्ञान शिक्षा केन्द्र के सहयोग से समूह गणित ओलम्पियाड का आयोजन करता है। इसका आयोजन भारत के विभिन्न भागों तथा विदेश में स्थित 28 केन्द्रों में 2 दिसम्बर 2012 को किया गया जिसमें लगभग 4000 छात्रों ने भाग लिया।

सीबीएसई समूह के शीर्ष छात्रों ने नेशनल बोर्ड ऑफ हायर मैथेमेटिक्स (एनबीएचएम) द्वारा 3 फरवरी 2013

Group Mathematics Olympiad

CBSE Group Mathematical Olympiad was conducted in association with Homi Bhabha Centre for Science Education on 2nd December 2012 at 28 centers located in different parts of India and abroad in which around 4000 students participated.

The top students from CBSE group participated in Indian National Mathematical Olympiad (INMO) conducted by National Board of

को आयोजित भारतीय राष्ट्रीय गणित ओलम्पियाड (आईएनएमओ) में भाग लिया।

जोनल इंफार्मेटिक्स ओलम्पियाड (जैडआईओ) और आईएनओआई 2013

छात्रों में कम्प्यूटरों के प्रभावी प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए सीबीएसई इंडियन एसोसिएशन फॉर रिसर्च इन कम्प्यूटिंग साइंस (आईएआरसीएस) के सहयोग से प्रत्येक वर्ष जैडआईओ (प्रथम चक्र) और एनआईओ (द्वितीय चक्र) का आयोजन करता है ।

इस वर्ष प्रथम चक्र अर्थात जैडआईओ का आयोजन नवम्बर 2012 में किया गया। भारत तथा समूचे विश्व से सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों के 6589 छात्रों ने प्रथम चक्र में भाग लिया। जैडआईओ 3 घंटे की लिखित परीक्षा है तथा इसका आयोजन भारत और विदेशों में 40 विभिन्न स्थानों पर किया जाता है ।

एनआईओ (नेशनल इंफार्मेटिक्स ओलम्पियाड) एक ऑनलाइन परीक्षा है। प्रथम चक्र के सभी अर्हक छात्र ऑनलाइन परीक्षा अर्थात एनआईओ (द्वितीय चक्र) में भाग लेने के पात्र हैं। जिन 314 छात्रों ने इस वर्ष जैडआईओ के लिए अर्हता हासिल की, वे जनवरी 2013 में एनआईओ में बैठे ।

छात्रों और युवक कार्यक्रमों के आदान–प्रदान के लिए जापान–पूर्व एशिया नेटवर्क (जेईएनईएसवाईएस)

छात्रों और युवक कार्यक्रमों के आदान–प्रदान के लिए जापान–पूर्व एशिया नेटवर्क (जेईएनईएसवाईएस) के भाग के रूप में इन कार्यक्रमों की शुरुआत वर्ष 2007 में हुई थी। प्रत्येक वर्ष समूचे भारत में सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों में छात्रों और शिक्षकों का एक समूह जापान की यात्रा करता है।

इस कार्यक्रम में 'पूर्वी एशियाई युवाओं को जापान में आमंत्रित करना' तथा 'अन्य ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से

HigherMathematics (NBHM) on 3rdFebruary 2013.

Zonal Informatics Olympiad (ZIO) and INOI 2013

To promote the use of computers effectively among students, CBSE in collaboration with Indian Association for Research in Computing Science (IARCS) organizes ZIO (first round) and NIO (final round) every year.

This year first round ZIO was organized in November 2012. **6589** students from CBSE affiliated schools from India and abroad participated at first level. ZIO was a written test of 3 hours and was conducted at 40 different venues in India and abroad.

NIO (National Informatics Olympiad) is an online test. All qualifiers of first round are eligible to appear for online exam. **314** students who qualified this year for ZIO appeared for NIO in January 2013.

Japan-East Asia Network of Exchange for Students and Youth Programme (JENESYS)

As part of the Japan-East Asia Network of Exchange for Students and Youth Programme (JENESYS) started in the year 2007, each year a group of students and teachers from the schools affiliated to CBSE from all over India visit Japan.

The programme consists of 'Inviting East Asian Youth to Japan' and 'Sending Japanese Youth

जापानी युवाओं को पूर्वी एशिया तथा अन्य देशों में भेजना' शामिल है । सीबीएसई द्वारा कुल 227 छात्रों (बालक और बालिकाओं) तथा 19 शिक्षकों को नामांकित किया गया तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किए गए अंतिम चयन में 88 छात्रों और 3 शिक्षकों को चुना गया।

to East Asia and other countries through other such programmes'. 227 students (boys and girls) and 19 teachers were nominated by CBSE and total 88 students and 3 teachers made it to the final selection done by MHRD,Govt. of India.

नई वेबसाइट और माइक्रोसाइट का सृजन

बोर्ड ने अपने विभिन्न क्रियाकलापों को सहयोग प्रदान करने तथा समूचे विश्व में समस्त पणधारकों की प्रतिक्रियाशीलता में वृद्धि करने के लिए प्रौद्योगिकी का इष्टतम प्रयोग किया है।

New Website and Microsites

The Board has optimized technology to support its various activities and increase responsiveness to all the stakeholders worldwide.

ऑनलाइन सेवाओं, विशेष रूप से परामर्श, प्रत्यायन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संबंध में बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए सीबीएसई ने शैक्षणिक वेबसाइट **(www.cbseacademic.nic.in)** आरंभ की। इस वेबसाइट में अंतर्निहित जैसे परिपत्र, प्रकाशन, स्वास्थ्य एवं कुशलता, प्रशिक्षण अभिनवता और अनुसंधान, सीटीईटी, परामर्श, प्रत्यायन, शैक्षणिक निविदाएं, भर्ती आदि विभिन्न खंड हैं।

सीबीएसई–आई पंजीकरण, सीबीएसई डाटा संग्रहण

In view of increased demand for online services especially with regard to mentoring, accreditation and training programmes, CBSE launched the Academic website **(www.cbseacademic.nic.in)**. The website contains important sections such as circulars, publications, Health and Wellness, Training Innovation and Research, CTET, Mentoring,Accreditation, Academic tenders, recruitments etc.

CBSE-i registration, CCE data collection

प्रणाली, सीबीएसई–इंटरनेशनल.कॉम और सीबीएसईवोकेशनल. इनको भी ऑनलाईन किया गया। बोर्ड ने बड़ी मात्रा में ऑनलाइन प्राप्त होने वाले दस्तावेजों की प्रामाणिकता की जांच के लिए एंटी–प्लेगिआरिज्म भी संस्थापित किए ।

एकीकृत परीक्षा प्रबंधन प्रणाली

प्रतिवेदन की अवधि के दौरान सीसीई योजना के अंतर्गत पहली बार एक प्रश्न बैंक की सहायता से कक्षा IX और X के लिए सारांशात्मक मूल्यांकन– I और सारांशात्मक मूल्यांकन– II के प्रश्न–पत्र ऑनलाइन उपलब्ध कराए गए।

अखिल भारतीय राष्ट्रीय विरासत प्रश्नोत्तरी

स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोहों के भाग के रूप में वर्श 2012 के लिए राष्ट्रीय विरासत प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई जिसका लक्ष्य मुख्य रूप से नैतिकता पर आधारित विभिन्न क्रियाकलापों को संचालित करना था।

एटीईएन 18 के सहयोग से हिस्ट्री चैनल पर विरासत प्रश्नोत्तरी का राष्ट्रव्यापी प्रसारण किया गया।

राष्ट्रीय विद्यालय स्वच्छता पहल

इस कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के छात्रों में स्वच्छता संबंधी अच्छी आदतों का विकास करने के उद्देश्य से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शहरी विकास मंत्रालय तथा गेसेलशाफ्ट फर इंटरनेशनेल जुज़ामेनरबेट (जीआईजैड) के सहयोग से की गई थी। सीबीएसई द्वारा एक व्यापक विद्यालय स्वच्छता संदर्शिका भी तैयार की गई जिसमें इस पहल के अंतर्गत निर्धारित किए गए मानदण्ड और पुरस्कारों की श्रेणियां शामिल हैं।

इस वर्ष माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा 156

system, cbse-international.com and cbsevocational.in and other activities are also being managed online.The Board also installed anti plagiarism to check the authenticity of large number of documents received online.

Integrated Test Management System

During the period under report, for the first time the Summative Assessment I and Summative Assessment II Question papers under CCE scheme were generated online for classes IX and X with the help of a question bank.

All India National CBSE Heritage Quiz

As a sequel to the celebration of the Birth anniversary of Swami Vivekananda, the National Heritage Quiz for 2012 was mainly aimed at conducting different value based activities.

Nationwide telecast of the Heritage Quiz was done on History Channel in collaboration of ATEN18.

National School Sanitation Initiative

The programme was launched in 2010 in collaboration of Ministry of Human Resource Development (MHRD), Ministry of Urban Development (MUD) and Gesellschaft fur Internationale Zusammenarbeit (GIZ) with the purpose of inculcating good sanitation habits amongst school children. A comprehensive school sanitation manual has also been prepared by CBSE inclusive of different parameters and categories of award under the initiative.

156 schools were awarded the sanitation

विद्यालयों को स्वच्छता रेटिंग प्रदान की गई।

विद्यालय गुणवत्ता प्रत्यायन और मूल्यांकन

बोर्ड के पास गुणवत्ता प्रत्यायन और मूल्यांकन के लिए बेहतर रूप से तैयार की गई प्रक्रिया है जिसमें स्व–मूल्यांकन और सहयोगी समीक्षा शामिल है। प्रायोगिक आधार पर इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए 12 एजेंसियों को पैनल पर रखा गया। प्रायोगिक परीक्षण के पश्चात बोर्ड की योजना मूल्यांकन को अनिवार्य बनाने की है।

सीबीएसई फोकस

सीबीएसई के अर्ध–वार्षिक संवाद–पत्र 'सीबीएसई फोकस' के प्रवेशांक का विमोचन तत्कालीन माननीय केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री कपिल सिब्बल द्वारा किया गया। यह संवाद–पत्र एक ऐसे माध्यम से पणधारकों, सहयोजितों और अभिभावकों तक पहुंचने का प्रयास है जो सीबीएसई के कार्यक्रमों और क्रियाकलापों का एक संक्षिप्त अंतदर्शन उपलब्ध कराता है।

'सीबीएसई फोकस' का प्रयोग सीबीएसई के प्रासंगिक कार्यक्रमों, अनुभवों और सूचना का प्रचार–प्रसार करने के लिए एक उपयोगी माध्यम के रूप में किया जा रहा है। अभी तक प्रकाशित किए जा चुके अंक सीबीएसई की शैक्षणिक वेबसाइट पर भी उपलब्ध हैं।

सीबीएसई चैनल यू–ट्यूब पर

सीबीएसई ने यू–ट्यूबः **youtube.com /cbsechannel** पर एक चैनल आरंभ किया है जो बोर्ड तथा संबद्ध विद्यालयों द्वारा आयोजित किए गए विभिन्न क्रियाकलापों के प्रति समर्पित है। विद्यालय सीबीएसई चैनल पर अपलोडिंग के लिए वीडियो भेज सकते हैं जिनमें लघु फिल्में, भूमिका नाटक, वार्ताएं, चर्चाएं, वाद–विवाद, प्रस्तुतीकरण अथवा स्वास्थ्य एवं कुशलता, लिंग–संवेदनशीलता, जीवन कौशलों आदि जैसे अन्य क्रियाकलाप शामिल हो सकते हैं।

ratings by the Honorable Minister of Human resource this year.

School Quality Accreditation and Assessment

The Board has well devised process and quality accreditation and assessment which includes self-evaluation and peer review. 12 agencies were empaneled to undertake this project on pilot-bases. The Board plans to make the assessment mandatory after the pilot run.

CBSE Focus

The inaugural issue of the 'CBSE *focus*' - the bi-annual CBSE Newsletter was released by the then Honorable Union Minister for Human Resource Development, Shri Kapil Sibal. This is an Endeavour meant to reach out to stakeholders, associates and parents through a medium that provides a brief insight into CBSE's programmes and activities.

The 'CBSE *focus*' is being used as a useful medium of dissemination of CBSE's relevant programmes, experiences, notifications and information. Issues published so far are available also on CBSE Academic website.

CBSE Channel on You Tube

CBSE launched a channel on You Tube: **www.youtube.com/cbsechannel** dedicated to the various activities conducted by the Board and affiliated schools. The schools can send videos for uploading on the CBSE channel. Short Films, Role Plays, Talks, Discussions, Debates, Presentations or other such activities on health & wellness, gender sensitivity, community outreach and Life Skills.

व्यावसायिक शिक्षा
Vocational Education

वर्तमान में भारत तथा विदेश में संबद्ध विद्यालयों में 99 विषयों में 40 व्यावसायिक कोर्स उपलब्ध हैं।

कुछ किये गये कार्यकलाप

- पाठ्यचर्या डिजाइन तथा सामग्री विकास
- चिकित्सा निदान शास्त्र
- ढलाईखाना प्रौद्योगिकी
- खुदरा (एनवीईक्यूएफ के तहत)
- स्वास्थ्य सुरक्षा विज्ञान
- आईटी (एनवीईक्यूएफ)
- फ्रन्ट आफिस मैनेजमेंट

- **पाठ्यचर्या तथा सामग्री विकास का परिशोधन**

- बेकरी कन्फेक्शनरी
- परिवहन प्रणाली तथा तंत्र प्रबंधन
- पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान
- भ्रमण तथा पर्यटन
- डेरी उद्योग
- बागवानी
- आशुलिपि तथा सचिवीय व्यवहार
- स्वास्थ्य एवं सौंदर्य अध्ययन
- विपणन तथा विक्रयकला
- विद्युत प्रौद्योगिकी
- फैशन डिजाइन तथा गारमेंट प्रौद्योगिकी
- टेक्सटाइटल डिजाइन रंगाई तथा छपाई
- रिटेल मेकअप तथा सौंदर्य सेवाएं

At present CBSE is offering 40 Vocational courses consisting of 99 subjects in affiliated schools in India and abroad.

Some of the activities under taken were:

- Curriculum Design and content development
- Medical Diagnostics
- Foundry Technology
- Retail (Under NVEQF)
- Health Care Science
- IT (Under NVEQF)
- Front Office Management

- **Revision of curriculum and content development in**

- Bakery and Confectionary,
- Transport Systems & Logistic Management
- Library and Information sciences,
- Travel and tourism,
- Dairying
- Horticulture,
- Stenography and Secretarial Practice
- Health and Beauty studies.
- Marketing and Salesmanship
- Electrical Technology
- Fashion Design and Garment Technology
- Textile design dyeing and printing
- Retail makeup and Beauty services

- व्यावसायिक कोर्सों के पाठ्यचर्या जैसे लेखाशास्त्र तथा लेखापरीक्षा, बैंकिंग, ओटोमोबाइल प्रौद्योगिकी और सिविल इंजीनियरी प्रौद्योगिकी को अध्ययन की नई योजना के साथ परिशोधित किया गया था।

- **आकलन**

  - हरियाणा राज्य और एनएसडीसी के सहयोग से एनवीईक्यूएफ के तहत कोर्स के लिए आकलन दिशा–निर्देश तैयार की गई।

  - कक्षा नौवी में और आगे एनवीईक्यूएफ आधारित कोर्सों के लिए शैक्षणिक पाठ्यचर्या का पुनर्गठन किया गया।

- **व्यावसायिक कोर्सों को मान्यता**

  दिल्ली विश्वविद्यालय ने नए शुरू किए गए व्यावसायिक विषयों जैसे वित्तीय बाजार प्रबंधन, स्वास्थ्य सुरक्षा विज्ञान, जियोस्पेशियल प्रौद्योगिकी, खाद्य उत्पादन, खाद्य एवं पेय सेवाएं, मास मीडिया अध्ययन तथा मीडिया प्रस्तुति को अपने वर्तमान व्यावसायिक कोर्सो की सूची में शामिल करने का निर्णय किया है और विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2012–13 से अपने परास्नातक कोर्सों में प्रवेश के लिए अनुमति दे दी है।

- **विदेशी एजेंसियों के साथ सहयोग**

  - बोर्ड प्रभावी पाठ्यक्रम डिजाइन तथा अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि की व्यवस्था करने के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), सेन्ट्रल इंस्टिट्यूट आफ टेक्नोलॉजी (सी आई टी) आस्ट्रेलिया, योजना प्रबंधन संस्थान (पी एम आई) राष्ट्रीय उद्यमशीलता एवं कौशल निर्माण संस्थान (एनआईईएसबीयुडी), राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी), अपोलो मेडवर्सिटी रोल्टा इंडिया, राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई), भारतीय ढलाईखाना संस्थान आई आई एफ

- Curriculum of vocational courses namely Accountancy and Auditing, Banking, Automobile Technology and Civil Engineering Technology were revised with new scheme of studies.

- **Assessment**

  - Assessment guidelines for course under NVEQF, in collaboration with Haryana state and NSDC were prepared.

  - Rationalization of academic curricula was done to provide for NVEQF based courses in class IX onwards

- **Recognition of Vocational courses**

  University of Delhi has decided to a d d the newly introduced vocational subjects namely Financial Market Management, Healthcare Sciences, Geospatial Technology, Food Production, Food & Beverage Services, Mass Media Studies and Media Production in the list of its existing vocational courses allowed by the University for Admission to its undergraduate courses w.e.f the academic session 2012-13.

- **Collaboration with External agencies**

  - The board is working closely with National Skills Development Corporation (NSDC), Central Institute of Technology (CIT) Australia, Project Management Institution (PMI), National Institute of Entrepreneurship and Skill Building (NIESBUD), National Institute of Fashion Technology (NIFT), Apollo Medvarsity, Rolta India, National

राष्ट्रीय होटल प्रबंधन एवं भोजन प्रबंध प्रौद्योगिकी परिषद (एनसीएचएमसीटी) के साथ कार्य कर रहा है।

Stock Exchange (NSE), Institute of Indian Foundry men (IIF) and National Council for Hotel Management and Catering Technology (NCHMCT) for effective curriculum design and arranging Teachers Training programme etc.

- बलिका छात्रों के बीच उद्यमशीलता की भावना का परिपोषण करने के लिए बोर्ड ने इंटेल तथा सीआईआई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

- Board also signed a MoU with Intel and CII for Nurturing of Spirit of Entrepreneurship among Girl Children.

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिशद (आईसीएआर) और सीबीएसई के बीच और प्रमाणन प्रकिया के लिए फिक्की (एफआईसीसीआई) के बीच सहयोग को अंतिम रूप देने की प्रकिया आरंभ हो गई।

- The process was initiated to finalise the collaboration between **ICAR** (Indian Council for Agriculture Research) and CBSE for Agriculture based courses and between FICCI and CBSE for certification process.

- **प्रकाशन**

- आतिथ्य एवं पर्यटन में पाठ्यपुस्तकें और प्रयोगात्मक संदर्शिकाएं
- मास मीडिया में पाठ्यपुस्तकें
- स्वास्थ्य रक्षा में पाठ्यपुस्तकें तथा प्रयोगात्मक संदर्शिकाएं
- जियोस्पेटियल प्रौद्योगिकी में पाठ्यपुस्तकें तथा प्रयोगात्मक संदर्शिकाएं
- ढलाईखाना प्रौद्योंगिकी में पाठ्यपुस्तकें तथा प्रयोगात्मक संदर्शिकाएं
- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में कार्य पुस्तिकाएं
- परिवहन प्रणाली तथा तन्त्र प्रबंधन में कार्य पुस्तिकाएं

- **Publications**

- Practical manuals in Hospitality &Tourism.
- Text books in Mass Media.
- Text books and Practical manuals in Health care.
- Text books and Practical manuals in Geospatial Technology.
- Text books and Practical manuals in Foundry Technology.
- Workbooks in Library and Information Sciences.
- Workbooks in Transport Systems and Logistic Management.

- **अध्यापक प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यशाला/विचारविमर्श**

- राष्ट्रीय होटल प्रबंधन तथा भोजन प्रबंध प्रौद्योगिकी परिशद (एनसी एचएमसीटी) के सहयोग से आतिथ्य एवं पर्यटन कोर्स दिल्ली, नोएडा तथा पटना में चलाए गए।

- **Teachers Training/Awareness Workshop/Discussions**

- Hospitality and Tourism courses in collaboration with National Council for Hotel Management and Catering Technology (NCHMCT), in Delhi, Noida and Patna.

- रोल्टा इंडिया लिमिटेड के सहयोग से जियोस्पेटियल में मई, अगस्त तथा अक्टूबर 2012 और फरवरी 2013 में चलाए गए।
- वित्तीय विपणन प्रबंधन – एनएसई दिल्ली, गंगटोक में चलाए गए।
- खुदरा–तक्षशिला जूनियर कालेज उज्जैन में चलाया गया।
- मास्टर प्रशिक्षक प्रशिक्षण, सीआईटी आस्ट्रेलिया में चलाया गया। इस प्रशिक्षण में 10 प्रधानाचार्यो/अध्यापकों ने भाग लिया।
- उच्च शिक्षा के प्रति व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के बारे में दिल्ली में प्रसिद्ध कालेजों उपकुलपतियों/निदेशकों/प्रधानाचार्यो के साथ विचार–विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- एनवीईक्यूएफ के तहत कोर्सो के लिए प्रधानाचार्यो/अध्यापकों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम आयोजित किया गया
- आतिथ्य एवं पर्यटन आधारित कोर्सो के लिए आतिथ्य उद्योग के साथ परामर्श बैठक का आयोजन किया।

- Geospatial in collaboration with Rolta India Limited, in Mumbai, Gurgaon and Bangalore.
- Financial Market Management - NSE, Delhi and Gangtok.
- Retail- Takshshela Junior College, Ujjain.
- Master trainers training at CIT Australia. 10 principals/teachers participated in the training.
- Discussions meet with the V.C's, Directors /principals of renowned colleges in Delhi, on the integration of vocational education towards higher education.
- Orientation program for the Principals/teachers for courses under NVEQF.
- Consultative meet with hospitality Industry on Hospitality and Tourism based courses.

शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद
Physical Education and Sports

शारीरिक शिक्षा

बोर्ड ने वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के लिए शारीरिक शिक्षा पाठ्यचर्या का परिशोधन किया जो सत्र 2014–15 से लागू होगा।

खेलकूद

वर्ष 2012–13 में देशभर में लगभग 160 स्थानों पर 20 अनुशासनों में सीबीएसई ने अंतर विद्यालय खेल–कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया। भारत में और खाड़ी में स्थित स्वतंत्र विद्यालयों के एक लाख छात्रों ने भाग लिया।

इस वर्ष प्रतियोगिताओं के लिए तीन नये अनुशासन जोड़े गये हैं जैसेः– एरोबिक्स, रोप स्कीपिंग तथा योगा। प्रतियोगिताओं में अनेक राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय श्रेणी के खिलाड़ियों ने भाग लिया और एथेलेटिक्स तथा तैराकी के कुछ नये रिकार्ड भी बनाए।

डोप टेस्ट

सीबीएसई अंतर विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिताओं को 'डोप मुक्त' सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड ने सत्र 2012–13 से नेशनल एंटीडोपिंग एजेन्सी (एनएडीए) के सहयोग से चेन्नई में आयोजित सीबीएसई राष्ट्रीय एथेलेटिक स्पर्धा 2012–13 के दौरान 'डोपिंग टैस्ट' लागू किया।

Physical Education

The Physical Education Curriculum for Senior Secondary Level for implementation from the session 2014-15 was revised.

Sports and Games

In the year 2012-2013, the CBSE Inter School Sports and Games competitions were organized in 20 disciplines at nearly 160 venues spread all over India. Over one lac students from Independent schools located in India and the Gulf participated.

This year three (03) new disciplines were added for the competitions, namely – Aerobics, Rope Skipping and Yoga.
Many National and International ranked players participated in the competitions and new records were created in Athletics and Swimming.

Dope Tests

To ensure that the CBSE Inter School Sports and Games Competitions are "Dope Free", the Board from the session 2012 -13 introduced "Doping Test" in association with the "National Anti-Doping Agency (NADA)" during its CBSE National Athletic Meet 2012 - 13 held at Chennai.

सीबीएसई चाचा नेहरू खेल अवार्ड

सीबीएसई अंतर विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता 2011–12 के दौरान चयन समिति ने विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के स्थलों पर प्रदर्शन के आधार पर सीबीएसई चाचा नेहरू खेल अवार्ड के लिए 167 एथलीटों का चयन किया जिसके अंतर्गत एथलेटिक्स तथा तैराकी के उत्कृश्ट प्रदर्शन और नए रिकार्ड स्थापित करने के लिए उक्त पुरस्कार दिया जाता है।

खेलकूद में उत्कृष्ट विद्यालय पुरस्कार

विद्यालयों में खेलकूद को प्रोत्साहित करने के लिए, बोर्ड ने विद्यालयों के लिए वार्शिक नकद पुरस्कार लागू किया। यह पुरस्कार सीबीएसई अंतर विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिताओं में समग्र प्रदर्शन के लिए किया जाएगा। जिसकी ईनाम राशि पांच लाख, तीन लाख तथा दो लाख रुपये क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय होगी।

CBSE Chacha Nehru Sports Award

The Selection Committee at various National Level venues during CBSE Inter School Sports and Games Competitions 2011–12, selected 167 athletes on the basis of performance for the CBSE Chacha Nehru Sports Awards which are being given for the outstanding performance and for setting new records in Athletics and Swimming.

Best School in Sports Award

To further encourage Sports and Games among the schools; the Board has introduced the following one time yearly Cash Awards for the Schools. For the overall performance in the CBSE Inter School Sports and Games Competitions an amount of ` Five lac, Three Lac and One lac has been fixed as First, Second and third prize respectively.

राष्ट्रीय किशोर शिक्षा कार्यक्रम
National Adolescence Education Programme

केन्द्रीय माध्यामिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) मा.स.वि.म. के निर्देशों के तहत बोर्ड से संबद्ध स्वतन्त्र विद्यालयों में किशोर शिक्षा कार्यक्रम (एईपी) का आयोजन कर रहा है।

किशोर शिक्षा कार्यक्रम यू.एन.एफ.पी.ए. के समर्थन से नबम्बर 2005 में प्रायोगिक आधार पर शुरू किया गया था। पाठ्यक्रम और पाठ्य पुस्तकों, शिक्षण सामग्री में किशोर शिक्षा (एई) के तत्वों का प्रभावी एकीकरण सुनिश्चित करने के लिए पाठ्येतर–सह पाठ्येतर अभिगम अपनाया गया है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा 2005 भी एईपी को विद्यालय पाठ्यचर्या का अनिवार्य घटक मानता है।

The **Central Board of Secondary Education** (CBSE) has been organizing **Adolescence Education Programme (AEP)** under the directives of **MHRD** in independent schools affiliated to the Board.

Adolescence Education Programme was launched on pilot basis with UNFPA support in November, 2005. Curricular- **Co-Curricular** approach has been adopted to ensure effective integration of the elements of AE in **syllabi and textbooks, instructional materials**. The ***National Curriculum Framework 2005*** also refers, to AEP as an integral component of the school curriculum.

किशोर शिक्षा कार्यक्रम (एईपी) के उद्देश्य

- सह–पाठ्येतर गतिविधियों (सीसीए) के माध्यम से किशोर अवस्था की चिंताओं का सामना करने के लिए मूल्य वर्धित जीवन कौशलों को विकसित करना।
- छात्रों को बढ़ने की प्रक्रिया, एचआईवी/एड्स तथा शारीरिक उत्पीड़न के बारे में सही ज्ञान उपलब्ध कराना।
- बढ़ने की प्रक्रिया, एचआईवी/एड्स तथा शारीरिक उत्पीड़न के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण तथा उत्तरदायी व्यवहार विकसित करना।
- लिंग रूढ़ियों तथा पूर्वाग्रहों से निपटने के लिए उन्हें सक्षम बनाना।

Objectives of Adolescence Education Programme (AEP)

- To develop value enhanced Life Skills for **coping and managing concerns of adolescence** through co-curricular activities (CCA).
- To provide accurate knowledge to students about process of **growing up, HIV/AIDS and Substance Abuse.**
- To develop **healthy attitudes** and **responsible behaviour** towards process of **growing up, HIV/AIDS and Substance Abuse**.
- To enable them to deal with **gender stereotypes and prejudices**.

बोर्ड की भूमिका

के.मा.शि.बो. की भूमिका संसाधकों के लिए मास्टर प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (एमटीटी), प्रधानाचार्यो के लिए नोडल अध्यापक प्रशिक्षण (एनटीटी) तथा एडवोकेसी प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध कराना है।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य अध्यापकों/छात्रों/प्रधानाचार्यो को सशक्त करना है ताकि वे अपने विद्यालयों में सह–पाठ्येतर गतिविधियों को सुग्राही बना सके। इन पाठ्येतर गतिविधियों का फोकस किशोर अवस्था चिंताओं के संदर्भ में जीवन कौशल विकास पर है, ताकि किशोर जीवन की वास्तविकताओं का सामना कर सके और पूर्ण, सही और प्रमाणिक आयु–समुचित तथा सांस्कृतिक रूप से संवेदी ज्ञान पर आधारित उत्तरदायी निर्णय ले सकें।

प्रयुक्त संसाधन सामग्री

1. किशोर शिक्षा प्रशिक्षण और संसाधन सामग्री (एनसीईआरटी)।
2. एडवोकेसी मैनुअल (प्रधानाचार्यो, प्रशिक्षकों के लिए सीबीएसई मैनुअल)

2012 में 35 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए:–

1. 20 नोडल अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम यु.एन.एफ.पी.ए चिह्नित राज्यों (अर्थात् बिहार, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उड़िसा तथा राजस्थान) में आयोजित किए गए। कुल 618 अध्यापक किशोर मामलों के बारे में प्रशिक्षित किए गए।

2. 5 एडवोकेसी कार्यक्रम प्रधानाचार्यो के लिए अगस्त से नवम्बर 2012 के बीच आयोजित किए गए और 93 प्रधानाचार्यो ने इसमें भाग लिया।

Role of the CBSE

The CBSE provides trainings to the Master Trainers Training Programme, (MTT) for the resource persons, Nodal Teacher Training (NTT)andAdvocacy Training Programme for the principals.

The main aim of the trainings is to empower teachers/students/principals so that they can sensitize and conduct co-curricular activities in their respective schools. The focus of these co-curricular activities is on Life Skills Development in the context of adolescent concerns, so thatadolescents can cope up with the realities of life and can make responsible decisions based on complete, accurate, and authentic age-appropriate and culturally sensitive knowledge.

Resource Material being used

1. Adolescence Education Training and resource material (NCERT).
2. Advocacy Manual (for Principals, Facilitators, CBSE Manual).

Thirty five (35) training Programmes were conducted during **2012 which include:-**

1. Twenty Nodal Teachers Training Programmes conducted in the five UNFPA identified States (Bihar, Maharashtra, Madhya Pradesh, Orissa andRajasthan). A total of 618 teachers were trained on Adolescence Issues.

2. 5 Advocacy Programmes for Principalswere conducted between August to November-2012 and attended by 93 Principals.

3. 10 अभिजात शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम जिनमें 271 अध्यापकों/छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।

प्रधानाचार्यो और अध्यापकों को जीवन कौशल अभिगम के माध्यम से किशोर चिंताओं, किशोर अवस्था मुद्दे, संवेगों से निपटने, तनाव प्रबंधन, निजी विश्वास तथा धारणाओं को सशक्त बनाने, गुस्से पर काबू पाने, सही निर्णय लेने, व्यक्तिगत विशिष्टता का आदर करने तथा लिंग रूढ़ियों तथा पूर्वाग्रहों से निपटने के बारे में सुग्राही बनाया है।

3. 10 Peer Educators Training Programmeswere organized where 271 teachers/ students were trained.

Principals and teachers were sensitized on adolescent concerns, dealing with emotions, managing stress, Strengthening Personal Beliefs and Opinions, Learning to Deal with Anger, Making Informed Decisions, respecting individual differences and dealing with gender stereotypes and prejudices through the life skills approach.

समारोह तथा कार्यक्रम
Events and Programmes

सीबीएसई अध्यापक तथा मेंटर अवार्ड

सीबीएसई ने 4 सितम्बर 2012 को 15 मेंटरों तथा 32 अध्यापकों को उनके नवाचार तथा शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया।

सीबीएसई अध्यापक अवार्ड वर्श 2000 में स्थापित किया गया था जिसका उद्देश्य उन अध्यापकों तथा प्रधानाचार्यो को सम्मानित करना है जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पहली बार लागू, मेंटर अवार्ड सतत एवं व्यापक मूल्यांकन (सीसीई) को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। अवार्ड तत्कालीन मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डा. डी. पुरन्देश्वरी जी द्वारा प्रदान किए गए।

मेंटरों की पहचान सीबीएसई द्वारा की गई, जिन्होंने विद्यालयों में सीसीई को प्रभावी ढंग से लागू करने में सहायता की थी। सीबीएसई मेंटर अवार्ड की स्थापना विद्यालयों द्वारा विकसित सर्वोत्तम व्यवहार को समविश्ट करने और सीसीई में सृजित सफलताओं को एक साथ लाने के लिए मेंटरों के रूप में चयनित प्रधानाचार्यो के प्रयासों का सम्मान करने के लिए की गई थी।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने मौलाना अबुल कलाम आजाद, प्रसिद्ध शिक्षाविद्, एक महान स्वतंत्रता सेनानी और भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री के जन्म दिवस के स्मरण में 11 नवम्बर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस घोषित किया है।

इस अवसर पर पिछले वर्षो की भांति बोर्ड कार्यालय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। दिनांक

CBSE Teacher and Mentors Awards

The CBSE honoured 15 mentors and 32 teachers from across the country on 4 September 2012, for their innovation and contribution in the field of education.

CBSE Teachers' Awards was instituted in the year 2000 with the objective of honouring teachers and Principals who have made significant contributions in the field of education. Introduced for the first time, the mentor award was bestowed for the efforts to promote Continuous Comprehensive Evaluation (CCE). The awards were given away by the then Minister *of State for Human Resource Development Dr. D. Purandeswari.*

The mentors were identified by the CBSE, who helped schools implement CCE effectively. The CBSE mentor awards were established to recognize efforts of Principals selected as mentors to incorporate best practices developed by schools and bring together successes created in CCE.

National Education Day

The Government of India, Ministry of Human Resource Development, has declared 11 November as National Education Day to commemorate the birth anniversary of Maulana Abul Kalam Azad, an eminent educationist, a great freedom fighter and the first Education Minister of India.

On this occasion, various activities in the office of the Board were organized like

7 व 8 नवम्बर को निबंध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

यह समारोह सीबीएसई विद्यालयों में भी ''ज्वाय ऑफ गिविंग'' विषय वस्तु पर आयोजित किया गया। प्रश्नावली तथा डिजिटल संकेतों में भरे गए ब्योरों के आधार पर प्रत्येक सीबीएसई क्षेत्र से दो टीमों (प्रत्येक टीम में एक छात्र तथा एक अध्यापक) का चयन किया गया। प्रसिद्ध पैनलिस्टों द्वारा चयनित 14 टीमों को दिल्ली में दिनांक 20 नवम्बर 2012 को परस्पर चर्चा/प्रस्तुतीकरण के लिए आमंत्रित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि श्री आर. भट्टाचार्य, सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार थे तथा उन्होंने विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

टीमों को समाज में उनके योगदान के लिए सर्वोत्कृष्ट, उत्कृष्ट तथा सराहनीय से सम्मानित किया तथा प्रत्येक को 10,000/– का नकद इनाम प्रदान किया गया। अन्य प्रतिभागी विद्यालयों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

previous years. A large number of officials and officers participated in events like essay Writing, Quiz Competition on 7th and 8th Nov., 2012.

The event was also celebrated in CBSE schools on the theme **'Joy of Giving'.** Two teams (a student and a teacher in each team) were selected from each CBSE region on the basis of the details filled in the questionnaire and the digital evidences. The 14 shortlisted teams were invited to Delhi on 20 November 2012 for the Final Round of interactions/presentations selected by the eminent panelists.

The Chief Guest of the event was Shri R. Bhattacharya, Secretary, School Education and Literacy, MHRD, Govt. of India and he distributed the cash prize and certificates to the winners.

The teams were awarded as Outstanding, Excellent, and Meritorious for their contribution to the Society and cash prize of Rs 10,000 each was given. The other schools participated were given certificates of participation.

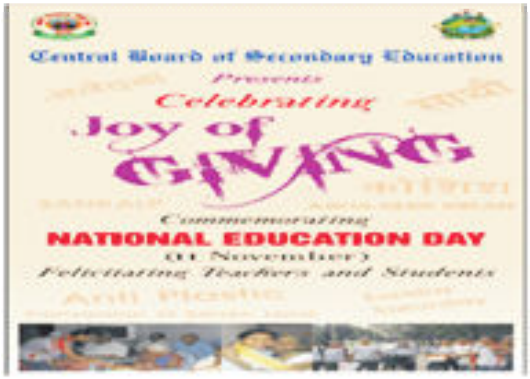

हेरिटेज इंडिया क्विज 2012

बोर्ड ने विद्यालयों में हेरिटेज शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अनेक कार्यक्रम आरंभ किए हैं, जिसमें विश्व हेरिटेज दिवस मनाना, हेरिटेज इंडिया क्विज, एक

Heritage India Quiz 2012

The Board has launched several programmes to promote heritage education in schools including the celebration of the World Heritage

स्मारक को अपनाएं (Adopt-a-Monument) कार्यक्रम तथा हेरिटेज स्कूल क्लब का संचालन शामिल है।

day, Heritage India Quiz, Adopt-a- Monument programme and functioning of Heritage school clubs.

बोर्ड द्वारा परिकल्पित तथा 2001 में आंरभ, सीबीएसई हेरिटेज इंडिया क्विज एक अंतर विद्यालय क्विज है जिसका उद्देश हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और विविधता के प्रति छात्र समुदाय में जागरूकता अथवा सम्मान पैदा करना है।

सभी 8 क्षेत्रों के 750 विद्यालयों से 2500 से अधिक छात्रों ने 2012 में आयोजित क्विज में भाग लिया। नेशनल सेमीफाइनल के लिए 8 क्षेत्रों से 16 टीमों का चयन किया गया। नेशनल फाइनल का आयोजन दिल्ली में 7 दिसम्बर 2012 को श्री आर. भट्टाचार्य सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की उपस्थिति में किया गया। 16 प्रतियोगी टीमों में से चार टीमों ने नेशनल फाइनल के लिए अर्हता प्राप्त की।

क्विजों के फाइनल राउंड का टेलिकास्ट 12 जनवरी 2013 को हिस्टरी चैनल पर किया गया।

The CBSE Heritage India Quiz, initiated in 2001, is an Inter School Quiz which has been conceptualized by the Board with the objective of creating awareness and appreciation in the student community towards the rich cultural heritage and diversity of our country.

More than 2500 students from 750 schools over 8 regions participated in the quiz conducted in 2012. The 16 teams were selected from 8 regions for National Semi-finals. The National Finals were held on 7 December 2012 in Delhi in the presence of Shri. R. Bhattacharya, Secretary, School Education and Literacy, MHRD, Government of India. Out of 16 competing teams, four teams qualified for the National Finals.

The final round of the quiz was telecasted on 12 January 2013 on History Channel.

राष्ट्रीय सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2012 सीबीएसई दिल्ली तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में 29 अक्टूबर 2012 से 3 नवम्बर 2012 तक मनाया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा प्रतियोगिताओं के विजेताओं का नकद इनाम तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों में भी सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2012 मनाया गया जिसका केन्द्रबिंदु ''सरकारी अधिप्राप्ति में पारदर्शिता'' था। विद्यालयों द्वारा विभिन्न क्रियाकलापों जैसे स्लोगन, निबंध लेखन, भाशण तथा वाद–विवाद का आयोजन किया गया।

मूल्य शिक्षा का एकीकरण

डा. एम. एम. पल्लम राजू, माननीय मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार तथा डा. शशि थरूर, माननीय राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इंडिया इस्लामिक सेंटर में 01 नवम्बर 2012 को ''मूल्य शिक्षा किट'' का प्रवर्तन किया। इस अवसर पर श्री प्रदीप कुमार, केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त (सीबीसी) श्री अशोक ठाकुर, सचिव (उच्च शिक्षा), श्री अमित खरे, केन्द्रीय सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री आर. भट्टाचार्य, सचिव (स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता) तथा श्री विनीत जोशी, अध्यक्ष, सीबीएसई उपस्थित थे।

National Vigilance Awareness Programme

The Vigilance Awareness Week 2012 was observedat CBSE, Delhi Regional Offices from 29th October 2012 to 03rd November 2012. Essay writing competition and lecture competitions were organizedand cash prizes and certificates were given to the prize winners of various competitions.

Schools affiliated with CBSE also celebrated Vigilance Awareness Week 2012 in their respective schools and the focus was on *"Transparency in Public Procurement".* Various activities such as slogan, essay writing, lectures and debates were organized by the schools.

Integration of Values Education

The `Values Education Kit' was launched on 01st November 2012 at India Islamic Centre by Dr. M.M. Pallam Raju, Honourable Minister of Human Resource Development and Dr. Shashi Tharoor, Honourable Minister of State, MHRD, Govt. of India in the presence of Shri Pradeep Kumar, Central Vigilance Commissioner (CVC), Shri Ashok Thakur, Secretary(Higher Education), Shri Amit Khare, Central Vigilance Officer (CVO), MHRD, Shri R. Bhattacharya, Secretary (School Education &Literacy (SE & L)) and Shri Vineet Joshi, Chairman, CBSE.

सीबीएसई परिवर्तन की लहरें कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय विद्यालय स्वच्छता पुरस्कारों की शुरूआत

विद्यालयों में उचित स्वच्छता और स्वास्थ्यकारिता के द्वारा छात्रों के अच्छे स्वास्थ्य पर विशेष फोकस के साथ जागरूकता पैदा करने के परिप्रेक्ष्य के साथ परिकल्पित परिवर्तन की लहरें कार्यक्रम की शुरूआत माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा की गई।

जीवगतिकी कूड़ा पृथक्करण के माध्यम से रचनाः स्वच्छता और जल प्रबंधन पर दो फिल्में तथा परिवर्तन की लहरें कार्यक्रम पर एक प्रस्तुति प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में दो पुस्तकों का विमोचन किया गया।

CBSE Waves of Change Programme and launch of National School Sanitation Awards

The Waves of Change programme conceptualized with a perspective of creating awareness about school sanitation was launched by the Hon'ble HRM with special focus on the good health of students through proper sanitation and hygiene in schools.

Two films were screened on – Composition through Bio-Dynamic Waste segregation; Sanitation and water Management and a presentation on the Waves of Change Programme. Two books were also released.

समबद्धता
Affiliation

वर्षों से विद्यार्थियों और संस्थानों की संख्या में काफी वृद्धि हो रही है। इसीलिए सीबीएसई के लिए यह वांछनीय है कि वह सुनिश्चित करे कि शिक्षा सम्मत एवं गुणवत्तापरक हो। बोर्ड ने लगातार विद्यालयों में नवीनीकरण और गुणवता में सुधार से संबधित निरूपण किए है। बोर्ड से सम्बद्धता प्राप्त सभी विद्यालयों में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे का अनुसरण किया जाता है। विद्यालयों में नियमित शैक्षिक दौरों के लिए बोर्ड द्वारा अध्ययन टीम की नियुक्ति की जाती है।

31.03.2013 को सम्बद्ध विद्यालयों की कुल संख्या 13898 थी जिनमें कई विद्यालय विदेशों में स्थित हैं। पिछले वर्ष से 1394 नये विद्यालयों की वृद्धि हुई। रिपोर्ट अवधि के वर्ष के दौरान, सभी विद्यालयों को सूचित किया गया कि वे विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त भौतिक सुविधाओं जैसे बैठने का स्थान, पीने का पानी, अग्नि सुरक्षा के उपायों और यहां तक कि सर्दी के दौरान वर्दी के संबंध में मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करें। देश और विदेश में स्थित सीबीएसई विद्यालयों का नेटवर्क परिशिष्ट–X-XI में दिया गया है।

विद्यालय अर्हक आकलन व प्रमाणन

बोर्ड से सम्बद्धता प्राप्त विद्यालयों की उन्नति के लिए अर्हक आकलन और प्रमाणन मूल्यांकन के अंर्तराष्ट्रीय मानदण्ड बनाए गए हैं। प्रमाणन के मुख्य उद्देश्य हैं – विद्यालयों के प्रतिबिंबन और अन्तरावलोकन के द्वारा, संस्तुतित क्षेत्र पर गुणात्मक वृद्धि और सामाजिक उत्तरदायित्व।

The Board demonstrates concern for consistent quality in CBSE schools. All the schools granted affiliation by the board follow the National Curriculum Framework. The number of students and institutions has been increasing over the years. It is, therefore, desirable for the CBSE to ensure that education is off approved and comparable quality. The Board appoints study teams to conduct regular academic visits to the schools.

The total number of affiliated schools as on 31.3.2013 was 13898 which include many foreign schools also. 1394 new schools were added over the last year. Communication was issued to all the schools to ensure adequate physical facilities to the students in terms of seating, drinking water, fire safety measures and even relaxing norms about the uniform during the winter session. The network of CBSE schools in the country and abroad is mentioned in Appendix X-XI.

Schools Quality Assessment and Accreditation

In its endeavour to provide global parameters of assessment in its affiliated schools, the board has initiated the process of Schools Quality Assessment and Accreditation for qualitative enhancement and social accountability.

विस्तृत रूप सें, आकलन के सात प्रक्षेत्रों का निर्धारण उनके विभिन्न नियुक्ति के आधार पर निर्धारित किए गए है। शैक्षिक प्रक्रिया और उत्पाद (25%), सह–शैक्षिक प्रक्रिया और उत्पाद (15%), आन्तरिक संरचना की उपयुक्तता, कार्यात्मकता और सौन्दर्यता (15%), मानव संसाधन (10%), व्यवस्थापन और प्रशासन और नेतृत्व (13%)।

विद्यालयों के प्रमाणन के लिए विभिन्न संस्थाओं की सहायता से एक मार्गदर्शक अध्ययन किया गया और इससे प्राप्त विष्कर्ष परिणामों को विद्यालयों के सुसाध्य के लिए मैनूअल का रूप दिया गया।

Broadly, seven domains of assessment have been identified and different weightages have been assigned to them, Academic Process and Products (25%), Co-scholastic Processes & Products (15%), Infrastructure-Adequacy, Functionality & Aesthetics (15%), Human Resources (10%), Management & Administration (10%) and Leadership (13%).

A pilot study of accreditation of schools was conducted with the help of various empanelled agencies. The findings helped to form a working manual which will facilitate the process further.